पुना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

WELCOME TO
PUNA INTERNATIONAL SCHOOL
GRADE-VI HINDI
POEM- 4

पाठ-04

चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

(कविता)

कवि का परिचय

शमशेर बहादुर सिंह का जन्म मुजफ्फरनगर के एलम ग्राम में १३ जनवरी, १९११ को जाट परिवार में तारीफ सिंह के पुत्र के रूप में माँ प्रभूदेवी की कोख से हुआ । मृत्यु 12 मई 1993 को अहमदाबाद में। देहरादून ननिहाल था। देहरादून में प्रारंभिक शिक्षा हुई । बाद की शिक्षा गोंडा और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में। १९३५-३६ में उकील बंधुओं से कला प्रशिक्षण। दिल्ली से वे गुजरात चले गए तथा अहमदाबाद में उनकी शिष्या श्रीमती रंजना अरगडे के साथ रहे । अहमदाबाद में उनपर शोधकर्ती रंजना अरगडे का निवास ही उनका निवास रहा । डॉ. श्रीमती रंजना अरगडे अब वहीं प्रोफेसर और विदुषी हैं। डॉ. श्रीमती रंजना अरगडे ने गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वाह करते हुए मानवता के नाते जीवन पर्यंत उनकी सेवा की और अंत समय में मुखाग्नि दी। शमशेर के भाई तेज बहादुर उनसे दो साल छोटे थे। उनकी मां परम देवी दोनों भाइयों को राम-लक्ष्मण की जोडी कहती थीं। शमशेर 8-9 साल के थे जब वे संसार छोड गयीं। लेकिन यह जोडी शमशेर की मृत्यु तक बनी रही।

उनका विवाह सन् १९२९ में धर्मदेवी के साथ हुआ। १९३१ में उन्होंने कविता लिखना शुरू किया।

कविता का सार

सरलार्थ–

लड़की चाँद को संबोधित करते हुए कहती है कि मुझे पता नहीं, पर थोड़े–से तिरछे दिखाई देते हैं। यद्पि आप का यह रूप और आकार सुदंर है पर हम आपको भली–भांति जानते हैं।

सरलार्थ–

लड़की चाँद से बातें करते हुए कहती है कि आप बीमारी के कारण ही जब घटने लगते हैं तो घटाते ही चले जाते हैं।

शब्दाथ

१) गोरा-चिटटा-बहुत सफ़ेद

२) पोशाक- वेशभूषा

३) गोकि-चूकि

४) निरा-एकदम

५) दम लेना-विश्राम करना

६) गोल हो जाना-गायब हो जाना

७) मरज-रोग ,बीमारी

graphicpanic.com

अतिलघ उत्तरीय प्रश्न

१) कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ-श्री शमशेर बहादुर सिंह।

२) कौन गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है?

उ- चाँद गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है।

३) कौन क्या पहने हुए है?

उ- चाँद आकाश पहने हुए है।

४) चाँद का मुँह कैसा है?

उ-चाँद का मुँह गोरा-चिटठा है।

५) किसकी पोशाक कहाँ फैली है?

उ- चाँद की पोशाक चारो तरफ फैली हुई है।

graphicpanic.com

व्याकरण

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को सर्वनाम कहते है।

मैं फुटबॉल खेल रहा हूँ।

(Mein football khel raha hu.)

सबलोग परीक्षा में पास हो गए।

(Sab log pariksha mai pass ho gaye.)

तुम कहां जा रहे हो ?

(Tum kahan ja rehe ho.)

सर्वनाम

वह शब्द जो संज्ञा के बदले में आए उसे सर्वनाम कहते हैं
जैसे - मैं, तुम, हम, वह, आप, उसका, उसकी आदि।

हिंदी के मूल सर्वनाम 11 हैं- मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कौन, क्या, कोई, कुछ

सर्वनाम के भेद

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

पुरुषवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले और अन्य व्यक्तियों के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

मैं बाज़ार गया था।

तुम कहाँ जा रहे हो?

उसे साथ ले जाओ।

मैं (बोलने वाला), तुम (सुनने वाला), उसे (अन्य व्यक्ति) पुरुषवाचक सर्वनाम। -

2-निश्चयवाचक सर्वनाम

निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण :

- यह मेरी घडी है।
- वह एक लड़का है।
- वे इधर ही आ रहे हैं।
- यह कार मेरी है।
- वह मोटरबाइक तुम्हारी है।

graphicpanic.com

3-अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण :

-लस्सी में कुछ पड़ा है ।
-भिखारी को कुछ दे दो।
- मुझे बाज़ार से कुछ लाना है।
- कोई आ रहा है।
- मुझे कोई नज़र आ रहा है।

graphicpanic.com

4- सम्बन्धवाचक सर्वनाम

4-सम्बन्धवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है|

उदाहरण :

- जहाँ चाह वहाँ राह ।
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे|
- जैसी करनी वैसी भरनी|

graphicpanic.com

5- प्रश्नवाचक सर्वनाम

प्रश्नवाचक सर्वनाम -जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण :

- रमेश क्या खा रहा है ?
- कमरे में कौन बैठा है ?
- देखो तो कौन आया है?
- आपने क्या खाया है?

graphicpanic.com

6-निजवाचक सर्वनाम

निजवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे :स्वयं, आपही, खुद, अपनेआप।

उदाहरण:

- मैं खुद फोन कर लूँगा।
- तुम स्वयं यह कार्य करो।
- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।

graphicpanic.com

गतिविधि- कविता में दिए गए चाँद और लड़की का चित्र बनाइए।

graphicpanic.com

धन्यवाद